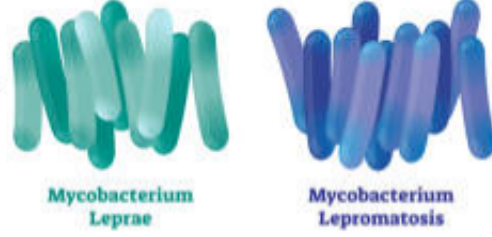




# LEPROSY

**LEPROSY**, Also Known as Hansen's Disease (HD), is a Long-Term Infection by the Bacteria *Mycobacterium Leprae* or *Mycobacterium Lepromatosis*



It Usually Takes About 3 TO 5 YEARS for Symptoms to Appear  
Some People do not develop Symptoms UNTIL 20 YEARS LATER

## FORMS OF LEPROSY

Tuberculoid Lepromatous Borderline

MORE SEVERE

## COMPLICATIONS

Leprosy Primarily Affects the SKIN and the PERIPHERAL NERVES

### ■ लक्षणः

- यह रोग मुख्य रूप से त्वचा, परधीय (Peripheral) नसों, ऊपरी श्वसन पथ और आँखों के श्लेष्म को प्रभावित करता है।

### ■ प्रसारः

- अनुपचारित लोगों के साथ नज़दीकी और लगातार संपर्क में रहने के दौरान नाक और मुँह से उत्सर्जित ड्रॉपलेट्स के माध्यम से कुष्ठ रोग फैलता है।

### ■ कुष्ठ रोग में लैंगिक असमानताः

- यद्यपि कुष्ठ रोग दोनों लिंगों को प्रभावित करता है, कति वंशिके अधिकांश हिस्सों में महिलाओं की तुलना में पुरुष अधिक प्रभावित होते हैं। डब्ल्यूएचओ की वैश्विक कुष्ठ रोग रिपोर्ट के अनुसार, यह अनुपात लगभग 2:1 का है।

### ■ उपचारः

- कुष्ठ रोग का MDT (मल्टी ड्रग थेरेपी) द्वारा इलाज संभव है और शुरुआती चरणों में उपचार से दृष्टिहीनता को रोका जा सकता है। यह रोग वंशानुगत नहीं है तथा कुष्ठ रोग का संचारण माता-पिता से बच्चों में नहीं होता है।

### ■ परदृश्यः

- वर्ष 2021 में 1,40,000 नए कुष्ठ रोग के मामले सामने आए, जिनमें से 95% नए मामले 23 वैश्विक प्राथमिकता वाले देशों में देखे गए। इनमें से 6% का दृश्य वृद्धि ग्रेड -2 दृष्टिहीनता (G2D) का नदिन कथिा गया था।
- नए मामलों में से 6% से अधिक 15 वर्ष से कम उमर के बच्चे थे।
- वर्ष 2020 से वर्ष 2021 तक नए मामलों में 10% की वृद्धि के बावजूद रिपोर्ट कथिा गए मामले वर्ष 2019 की तुलना में वर्ष 2021 में 30% कम रहे।
  - यह संचरण में कमी के कारण नहीं है, बल्कि इसलिये है क्योंकि कोविड-19 से संबंधित व्यवधानों की वजह से कुष्ठ रोग के मामलों का पता नहीं चल पाया है।

### ■ भारत द्वारा कथिा गए प्रयासः

- वर्ष 2017 में सरकार ने राष्ट्रव्यापी स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान (Sparsh Leprosy Awareness Campaign-SLAC) शुरु कथिा, इसका उद्देश्य प्रारंभिक स्तर पर ही कुष्ठ रोग का पता लगाना और इसका उपचार करना है।
- राष्ट्रीय कुष्ठ रोग उन्मूलन कार्यक्रम (National Leprosy Eradication Programme- NLEP) विशेष रूप से स्थानिक कर्षेत्रों में रोकथाम और इलाज पर केंद्रित है। मार्च 2016 में कुष्ठ रोग के मामलों का पता लगाने के लिये एक अभियान शुरु कथिा गया था, जसिमें घर-घर जाकर जाँच की गई और रोग के नदिन के लिये रोगियों को उचित इलाज हेतु स्वास्थ केंद्र भेजा गया।
- NLEP में कुष्ठ रोग के लिये माइक्रोबैक्टीरियम इंडकिस प्रानी (MIP), स्वदेशी रूप से विकसित टीके को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी द्वारा विकसित कथिा गया है। यह टीका कुष्ठ रोगियों के निकट संपर्क में रहने वालों को निवारक उपाय के रूप में लगाया जाता है।
- भारतीय अनुसंधान का मल्टी-ड्रग थेरेपी या MDT के विकास में काफी योगदान है, जसिकी सफारिश अब WHO द्वारा की गई है, इसका लाभ यह हुआ है कि उपचार की अवधि में कमी आने के साथ-साथ उपचारित लोगों के आँकड़े में भी वृद्धि देखी गई।

- कुष्ठ रोग के खिलाफ लड़ाई को समाज द्वारा प्रदर्शति संवेदनशीलता से स्पष्ट तौर पर समझा जा सकता है **इस कलंक को हटाना अति आवश्यक है**। वभिन्न वधिकि उपायों के अतरिकित कुष्ठ रोग के प्रतहिमारे दृष्टिकोण में बदलाव लाना इस दशिा में बड़ा कदम होगा।

[स्रोत: द हद्रि](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/world-leprosy-day-2023>

